Natural STP

Eco-Sustainable Onsite Natural Sewage Treatment Systems

1. Demand letter for **Natural** sewage treatment system.
2. Continued ..
3. Continued ..
4. Demand letter for **Natural** sewage treatment system.
5. Continued ..
6. Related letters provided by the Commissioner.
7. Natural sewage-related news.
8. Related photos.
9. Related photos.
10. Related photos.
11. Related photos.
12. Related photos.
13. Related photos.
14. Related photos.

।। श्री गणेशाय नमः ।।

पूर्वांचल देव आराधना
एवं
गुरु वशिष्ठ मानव सर्वांगीण विकास सेवा समिति

16/25, रावतपाड़ा, आगरा

संस्थापक/अध्यक्ष
पं. अश्विनी कुमार मिश्र
(बनारस वाले)

मोबाइल : 9411923353
दूरभाष : 0562-2391787

पत्रांक .....

मंडलायुक्त, आगरा

दिनांक .....30/11/07.....

पर्यावरण,शुद्व पेयजल एवं यमुना शुद्विकरण

यह संस्था गत् कई वर्षो से नगर वासियों के जनहित में पर्यावरण, शुद्व पेयजल एवं यमुना शुद्विकरण के लिये संघर्षरत् है किन्तु समुचित जन जागृति के अभाव में एवं शासन, प्रशासन व अन्य संबंधित विभागों की निष्क्रियता के चलते कार्य में प्रगति नही हुई है । प्रशासन द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के परिप्रेक्ष्य में यमुना शुद्विकरण हेतु समय समय पर लिये गये निर्णयों को अभी तक मूर्तरुप नही दिया गया है । प्रमाणित रुप में यह स्थिति यह है कि यमुना का जल किसी योग्य नही रहा है, जिसकी आपूर्ति नगर वासियों को की जा रही है ।

इस ज्वलन्त समस्या के स्थायी समाधान के लिये इस संस्था के विचार निम्न प्रकार से है । नगर के सभी बुद्वजीवि, पर्यावरण विद् एवं गणमान्य व्यक्तियों को यह संस्था आमंत्रित करती है और अपेक्षा करती है कि जनहित के इस पुनीत कार्य में जन जागृति के माध्यम से नगर वासियों एवं शासन व प्रशासन को जागरुक कर योजना का कार्यान्वयन करायें :-

1) आगरा के हिस्से का प्राकृतिक जल आगरा तक आना चाहिये ।
2) किसी भी कीमत पर घरेलू व औद्योगिक प्रदूषित उत्सर्जन बिना विधि मानकों के शोधित किये यमुना में प्रवाहित न किया जाये । बजीराबाद पर यमुना का सम्पूर्ण प्राकृतिक शुद्व जल रोक लिया जाता है और हरियाणा, दिल्ली व उत्तर प्रदेश से घरेलू व औद्योगिक प्रदूषित उत्सर्जन मात्र ही आता है वह भी बिना शोधित किये ।
3) आगरा में बैराज के स्थान पर 4-5 ठोकरें (weirs) मय दरवाजों के जो कि 5-6 फीट ऊँची बनवाई जायें जिससे यमुना के तटों तक जलराशि भरी रहे।
4) यमुना के किनारे River Front Development योजनान्तर्गत सफाई एवं उद्यानों के द्वारा सौन्दर्यीकरण किया जाये ।
5) यमुना पर स्थित ओखला एवं गोकुल बैराज में Floating Areators चलायें जायें।
6) आगरा में यमुना के किनारे निरन्तर Dredging कराई जाये ।

क्रमश.....2

।। श्री गणेशाय नमः ।।

पूर्वांचल देव आराधना
एवं
गुरु वशिष्ठ मानव सर्वांगीण विकास सेवा समिति

16/25, रावतपाड़ा, आगरा

संस्थापक/अध्यक्ष
पं. अश्विनी कुमार मिश्र
(बनारस वाले)

मोबाइल : 9411923353
दूरभाष : 0562-2391787

पत्रांक .....

दिनांक .....

7) ओखला व गोकुल बैराज में गंदगी को खाने वाली विशेष प्रजाति की मछलियों कछुओं एवं जलीय पौधों को छोड़ा जाये व उनका रख-रखाव किया जाये ।

8) यमुना के किनारे प्राकृतिक खारों में एवं सूखी सहायक नदियों में प्राकृतिक जल रोकने के लिये **Check Dams** बनाये जायें जिससे भूमिगत जल स्तर बढ़ेगा, हरियाली बढ़ेगी व तापमान भी 2-3 डिग्री कम होगा । वायु में प्रदूषित तत्व (**SPM**) नियत्रिंत होगें जिससे ताज की सुरक्षा भी बढ़ेगी ।

9) यमुना में कूड़ा कचरा पोलीथीन डालना, खेती करना, शहरी नालों से शोधित जल प्रवाहित कराना, **STP** क्षमता बढ़ाना, इनका नियमित संचालन रखरखाव सुरक्षित करें और इन सब बातों को सुनिश्चित करने के लिये **River Police** को प्रभावी कराया जाये ।

10) तत्कालिक रुप में गोकुल बैराज की डाउन स्ट्रीम में गंगाजल छोड़ने का जो निर्णय हो चुका है उसका शीघ्रातिशीघ्र पालन कराया जाये ।

11) उक्त सभी समयवद्व एवं गंभीरतापूर्वक अनुपालन हेतु एक स्वायत्त अथोरिटी का गठन किया जाये जिसमें जागरुक नागरिकों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाये ।

12) यमुना किनारे घाटों का पुनः निर्माण, उन तक पहुँचने के मार्गों का निर्माण तथा धर्म स्थलों का रख रखाव व अनाधिकृत कब्जे एवं वाहन आदि को हटाया जाये ।

13) यमुना के **Bed** में व यमुना में गिरने वाले नालों के प्राकृतिक **STP** लगाया जाये ।

14) नई बनने वाली कालोनियों में स्थानीय **STP** लगाया जाये ।

15) नदियों में सबसे ज्यादा खतरा जलचर, मानव आदि लोगों को नुकसान हो रहा है इसे रुकवाया जाये ।

.....3

।। श्री गणेशाय नमः ।।

पूर्वांचल देव आराधना
एवं
गुरु वशिष्ठ मानव सर्वांगीण विकास सेवा समिति

16/25, रावतपाड़ा, आगरा

संस्थापक/अध्यक्ष
पं. अश्विनी कुमार मिश्र
(बनारस वाले)

मोबाइल : 9411923353
दूरभाष : 0562-2391787

पत्रांक .....

दिनांक .....

(3)

16) सभी नगरों जो नदियों के किनारे बसे हैं वहाँ घाट व तट पर माला फूल यज्ञ सामग्री आदि विसर्जन हेतु कुंड का निर्माण कराया जाये । उसके बगल में उसी सामग्री से खाद् बनाने के कुंड बनाये जायें व उससे खाद् बनाने की व्यवस्था की जाये ।

17) नदियों के दोनों किनारों पर वृक्षारोपण कराया जाये ।

18) जनजागृति के लिये नगरों में जो नदी किनारे पर बसे है वहाँ पर साफ सफाई स्वच्छता के लिये विभिन्न संस्थाओं, संगठनों व विद्यालयों को जोड़कर नदी सप्ताह स्वच्छता दिवस के रुप में समय समय पर मनाया जाये ।

19) रिवर पुलिस के साथ समय समय पर सामाजिक संस्थायें, गणमान्य नागरिकों, अधिकारियों एवं एनसीसी केडर आदि को कार्य सेवा में सम्मिलित कर उनको प्रशस्ति पत्र, प्रमाण पत्र आदि दिया जाये ।

सधन्यवाद ।

भवदीय

(अश्विनी कुमार मिश्र)
संस्थापक अध्यक्ष

।। श्री गणेशाय नमः ।।

पूर्वांचल देव आराधना एवं गुरु वशिष्ठ मानव सर्वांगीण विकास सेवा समिति

16/25, रावतपाड़ा, आगरा

संस्थापक/अध्यक्ष
पं. अश्विनी कुमार मिश्र
(बनारस वाले)

मोबाइल : 9411923353
दूरभाष : 0562-2391787

पत्रांक ....

दिनांक ..30/11/2007....

पर्यावरण, शुद्ध पेयजल व यमुना शुद्धिकरण

संस्था के अंकिचन प्रयास व क्षेत्रीय नागरिकों एवं प्रशासनिक सहयोग से बल्केश्वर घाट का जीर्णोद्वार, वृक्षारोपण, सौन्दर्यीकरण, देशी पद्धति द्वारा एवं यमुना जल शुद्धिकरण हेतु प्रस्ताव ।

श्रीमान् मंडलायुक्त
आगरा मंडल, आगरा

1) बल्केश्वर महादेव मन्दिर के सामने यमुना घाट की ओर जाने वाली सड़क के मुहाने पर पाइप (Caw Catcher) लगवाना व अन्दर यमुना के घाट पर आने से पूर्व विकेट गेट लगवाना जिससे यमुना में पशुओं का जाना रोका जा सके ।

2) जे0सी0बी0 मशीन से घाट से कीचड़ निकाल कर बाहर डलवाना व अन्यत्र से मिट्टी लेकर घाट पर डलवा कर समतल कराना ।

3) घाट पर बह रहे नाले के गन्दे उत्सर्जन को Treat करने हेतु प्राकृतिक S.T.P. लगवाना जिससे स्वच्छ जल ही यमुना में जाये या उसी जल का वही सिंचाई हेतु उपयोग किया जा सके । वहाँ पर लगे हुये S.T.P. को चालू रखना ।

4) यमुना की U.P.Stream में Plastic की Net लगवाना व उसमें जल की शुद्धिं के लिये जल कुम्भी व अन्य पौधे लगवाना एवं मछलियों द्वारा जल प्राकृतिक रुप में स्वच्छ होकर घाट पर आयेगा उससे जलसंस्थान वाटर वर्क्स को जल स्वच्छं मिलेगा, वहीं घाट पर पर्यावरण भी शुद्ध होगा । यमुना में विशेष प्रजाति की गन्दगी खाने वाली मछलियों को छोड़ना जो जल को स्वच्छ रखने में सहायक होती है । जाल व मछलियों की सुरक्षा हेतु उचित प्रबन्ध किया जाये ताकि घाट पर स्वच्छ एवं शुद्ध जल उपलब्ध हो जिससे यमुना स्नान में नागरिकों की रुचि बढे व धार्मिक कार्य सम्पन्न किया जा सके ।

.........2

।। श्री गणेशाय नमः ।।

पूर्वांचल देव आराधना
एवं
गुरु वशिष्ठ मानव सर्वांगीण विकास सेवा समिति

16/25, रावतपाड़ा, आगरा

संस्थापक/अध्यक्ष
पं. अश्विनी कुमार मिश्र
(बनारस वाले)

मोबाइल : 9411923353
दूरभाष : 0562-2391787

पत्रांक .....

दिनांक .....

5) घाट पर मौजूद प्राचीन कुयें को चालू करवाना ।

6) मौजूद घाट पर सफेद, रंग रोगन व मरम्मत करवाना ।

7) घाट स्वच्छ रखें व यमुना जल में प्रदूषण न हो इस हेतु आम नागरिकों के लिये दिशा निर्देश हेतु बोर्ड बनवाकर घाट पर लगवाना ।

8) बल्केश्वर के इस घाट का निर्माण करवाना । इसी क्षेत्र में सार्वजनिक शौचालय एवं स्नानघाट की व्यवस्था और उसकी गैस से प्रकाश की व्यवस्था करना एवं नदियों के दोनों किनारे वृक्षारोपण कराना जिससे अतिक्रमण रुक सके ।

9) अनुराग नगर का नाला व वल्केश्वर घाट का नाला पर वैज्ञानिक एवं प्राकृतिक ई.टी.पी.(शुद्विकरण व्यवस्था) द्वारा जलशुद्व करके यमुना में प्रभावित करना ।

10) विसर्जन क लिये यमुना की धारा को किनारे की तरफ लाकर कुण्ड बनाना ताकि विसर्जन की वस्तु मुख्य धारा में नही जा सके ।विसर्जित सामग्री से खाद बनाकर वृक्षों में डालना ।

कृपया शीध्र ही इन सभी कार्यो के क्रियान्वयन कराने की कृपा करें । हम आभारी होगें ।

अत: आपसे निवेदन है कि जनहित में इन कार्यो का पूरा कराने की कृपा करें ।

धन्यवाद ।

भवदीय

पं.अश्विनी कुमार मिश्र
संस्थापक/अध्यक्ष

कार्यालय आयुक्त, आगरा मण्डल, आगरा।

संख्या- १८५१ /पी०ए० दिनांक: ~~अक्टूबर~~ Nov. 2 ,2007

1. उपाध्यक्ष,
   आगरा विकास प्राधिकरण।

2. नगर आयुक्त,
   नगर निगम, आगरा।

कृपया पं0 अश्वनी कुमार मिश्र(बनारस वाले) अध्यक्ष, पूवांचल देव अराधना एवं गुरू वशिष्ठ मानव सर्वांगीण विकास सेवा समिति, 16/25, रावतपाड़ा आगरा के संलग्न प्रार्थना-पत्र का अवलोकन करें।

संदर्भित पत्र में सौन्दर्यीकरण, देशी पद्धति द्वारा यमुना जल शुद्धिकरण के संबंध में उल्लिखित बिन्दु विचारणीय है तथा इस पर कार्यवाही की जानी है। यद्यपि उक्त प्रार्थना-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं है किन्तु प्रकरण यमुना के जल शुद्धिकरण, पर्यावरण तथा शुद्ध पेयजल से संबंधित है जिन पर माननीय उच्चतम् न्यायालय के निर्देशों के कम में कार्यवाही की जा रही है और समय-समय पर उनकी समीक्षा भी की जाती है।

कृपया उल्लिखित बिन्दुओं पर अपने स्तर से कार्यवाही करने का कष्ट करें तथा यथा-संभव उक्त संस्था जैसे स्वयंसेवी संस्थाओं एवं गैर सरकारी संस्थाओं से यथा-आवश्यक सहयोग भी प्राप्त करने का कष्ट करें। विशेषकर जन-जागरण एवं जागरूकता तथा श्रमदान जैसे कार्यों हेतु भी इनका सहयोग प्राप्त करना आवश्यक होगा।

संलग्नक: उपरोक्तानुसार

(सीता राम मीना) 1/11/07
मण्डलायुक्त।

संख्या व दिनांक उपरोक्तानुसार।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महाप्रबन्धक, जल संस्थान, आगरा।
2. क्षेत्रीय अधिकारी, उ0प्र0प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड,आगरा।

(सीता राम मीना)
मण्डलायुक्त।

Pg 8 | i next
Agra, 3 February, 2009

मांगों को लेकर डटे हैं आंदोलनकारी

लोगों को जीवन देने वाली यमुना हो चुकी है प्रदूषित

इसके सौंदर्यीकरण के लेकर चल रहा है लंबे समय से धरना

i-next reporter

AGRA (2 Feb.): यमुना में कदम्ब, पीपल, गूलर आदि पावन पेड़ लगाओ. 1978 में आई बाढ़ के आधार पर नदी का फ्लड प्लेन एरिया को चिन्हित किया जाए, ये कुछ मांगे हैं पूर्वांचल देव आराधना एवं गुरु वशिष्ठ मानव सर्वांगीण विकास सेवा समिति के बैनर तले यमुना में सत्याग्रह पर बैठे आंदोलनकारियों की. हालांकि बीते साल 13 जून 08 से शुरू हुए इस आंदोलन के अभी तक कोई ठोस नतीजे नहीं निकल सके हैं, लेकिन आंदोलन जारी है. जबकि हाल ही में बीएड स्टूडेंट द्वारा दिए गए लम्बे धरने का रिजल्ट अच्छा रहा.

नहीं हो रही सुनवाई

पूर्वांचल देव आराधना एवं गुरु वशिष्ठ मानव सर्वांगीण विकास सेवा समिति के संस्थापक और यमुना में सत्याग्रह करने वाले पं. अश्विनी कुमार मिश्र बताते हैं कि लोगों को जीवन देने वाली यमुना प्रदूषित हो गयी है. यमुना सफाई के लिए किए गए लम्बे-चौड़े खर्चे के बावजूद इसका भला नहीं हुआ है. सत्याग्रह को इतना लम्बा समय हो गया, लेकिन शासन-प्रशासन के अधिकारी यमुना के दर्द को नहीं सुन पा रहे हैं.

धरनों की धमक

सिटी में चलने वाला यह अकेला लम्बा आंदोलन नहीं है. इससे पूर्व डॉ. बीआरए विश्वविद्यालय के बीएड स्टूडेंट्स भी 89 दिन तक धरने दे चुके हैं. इनकी मांगें थी कि एग्जाम कराए जाएं और जल्द ही उसका रिजल्ट भी घोषित करा दिया जाए, स्टूडेंट की आवाज को शासन ने गंभीरता पूर्वक सुना. उसके बाद ही विश्वविद्यालय ने उनकी समस्या पर काम किया. इससे पूर्व मानसिक आरोग्यशाला के कर्मचारियों द्वारा भी एक साल से अधिक समय तक धरना दिया गया था, लेकिन आंदोलनकारियों के हाथ कुछ भी नहीं लगा था. संस्थान द्वारा इन्हें जबरन हटा दिया गया था.

ये हैं डिमांड

- उप्र, दिल्ली तथा हरियाणा के बीच 1994 में हुई त्रिपक्षीय वार्ता के अनुसार सोनी यमुना के बीच निश्चित मात्रा में नेचुरल वाटर फ्लो रखा जाए.
- औद्योगिक तथा घरेलू अपशिष्ट का शुद्धिकरण निर्धारित मानकों के अनुसार हो.
- यमुना तथा प्राकृतिक खादरों में मिलने वाले नालों में छोटे-छोटे चेक डैम बनाए जाएं, जिससे बरसात का जल एक जगह ठहरे और वाटर री-चार्जिंग का काम प्रॉपर हो सके.
- पानी को कंट्रोल करने के लिए यमुना के भू-भाग को स्वतंत्र रखा जाए.
- रिवर पुलिस की प्रॉपर व्यवस्था की जाए.
- जेएनएनयूआरएम के प्रस्तावित रिवर फ्रंट डेवलपमेंट के अंतर्गत यमुना घाटों व बगीचों का सौंदर्यीकरण हो.
- यमुना में अर्जुन, जामुन, नीम आदि इनवायरमेंट के सेफ रखने वाले पेड़ लगाए जाएं.
- यमुना नदी प्राधिकरण की स्थापना की जाए, जिससे सिटी को पर्याप्त मात्रा में शुद्ध पानी उपलब्ध हो सके.

Related photos. (Kakaretha Forest)